Tender Heart High School, Sector - 33-B, Chandigarh.

कक्षा - तीसरी
विषय - हिन्दी सुलेख

शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा

पुस्तक : सरल हिन्दी सुलेख भाग-3

प्यारे बच्चो !

आप अपनी पुस्तक 'सरल हिन्दी सुलेख' में बताए निर्देशानुसार ही अभ्यास कर रहे होंगे। छात्रों की लिखाई तभी सुन्दर हो पाएगी यदि आप इसका निरंतर अभ्यास करेंगे। आप सभी के लिए हिन्दी सुलेख का अभ्यास करना बहुत ज़रूरी है। अभ्यास करते समय अक्षर व शब्द समान आकार में एवं समान दूरी में होने चाहिए। आप सुलेख का अभ्यास रुचि से करें। अकसर देखा गया है कि विद्यार्थी लिखने से कतराते हैं और वे लिखने में आलस अथवा थकावट महसूस करते हैं जो कि गलत है। लिखाई को सुधारने के लिए लिखने की आदत बनाना बहुत ज़रूरी होता है। लिखते समय वर्णमाला के अक्षरों की सही बनावट पर ध्यान दें। जो अक्षर आप गलत लिख रहे हैं, उन्हें देखकर ही सही आकार में बनाएँ।

अध्यापिका द्वारा आपको सरल हिन्दी सुलेख में अभ्यास करने के साथ-साथ अलग से एक उत्तर-पुस्तिका में भी अभ्यास करने के लिए दिया गया है। पिछले कार्य में 'ठ' वर्ण का अभ्यास तथा 'उ' वर्ण से बने चार शब्द अभ्यास में करने के लिए दिए गए थे। इस सप्ताह सभी विद्यार्थी गृहकार्य के साथ 'ऊ' वर्ण का अभ्यास एवं 'ऊ' वर्ण से बने केवल चार शब्दों का ही अभ्यास करेंगे। सभी विद्यार्थी सुलेख का अभ्यास बोल-बोल कर ही करेंगे।

कक्षा - तीसरी
विषय - हिन्दी सुलेख

शिक्षिका - श्रीमती सुमन शर्मा
श्रीमती कल्पना शर्मा

अ

1. ऊँट

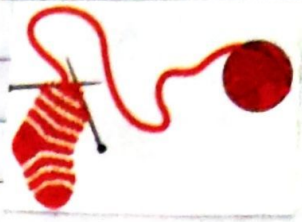

2. ऊन

3. ऊदबिलाव

4. ऊपर

सभी विद्यार्थी इस प्रकार के अभ्यास से अपनी लिखाई में सुधार कर सकते हैं। अभ्यास करते समय अक्षरों की बनावट का विशेष ध्यान रखें।

गृहकार्य

सभी छात्र पृष्ठ संख्या 10 को 'सरल हिन्दी सुलेख' की पुस्तक पर लिखने का अभ्यास करेंगे। सुलेख लिखते समय अध्यापिका द्वारा बताई गई बातों का विशेष रूप से ध्यान रखेंगे।

धन्यवाद।

ईश्वर सब प्राणियों के हृदय में है।

ईश्वर सब प्राणियों के हृदय में है।

भूल के लिए क्षमा माँगनी चाहिए।

भूल के लिए क्षमा माँगनी चाहिए।